दृष्टि The Vision

करेंट अफेयर्स झारखंड

अप्रैल 2022

(संग्रह)

दृष्टि, 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009

फोन: 8750187501

ई-मेल: online@groupdrishti.com

अनुक्रम

झारखंड **3**

- हज़ारीबाग के पुरातात्त्विक अवशेषों को मिलेगी नई पहचान 3
- सिकटिया मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना 3
- विद्यापति स्मृति पर्व 4
- सरहुल पर्व 4
- साहित्यकार अच्युतानंद को देवीशंकर अवस्थी सम्मान 4
- युवाओं के कौशल विकास हेतु राज्य सरकार और टीएसएफ के बीच समझौता ज्ञापन 5
- सिमडेगा को जल्द मिलेगा अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम 5
- सिरोम टोली सरना स्थल सौंदर्यीकरण योजना 5
- तपन पटनायक 6
- विनोबा भावे विश्वविद्यालय साइबर कोर्स लॉन्च करने वाला पूर्वी भारत का प्रथम विश्वविद्यालय 6
- राज्य ऊर्जा और जलवायु सूचकांक राउंड-1 में झारखंड 6
- त्रिकूट पर्वत 7
- राँची चिड़ियाघर में कैनाइन वायरस 7
- झारखंड के तेलीपाड़ा में बनने वाले पार्क व खेल मैदान में लगेगी सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा 8
- अंडर-17 सब जूनियर राष्ट्रीय बालक-बालिका कुश्ती प्रतियोगिता और फेडरेशन कप सीनियर पुरुष-महिला कुश्ती 8
- नौवीं राष्ट्रीय रेस वॉक चैंपियनशिप 8
- डॉ. रेड्डी को औद्योगिक शांति के लिये जहाँगीर गांधी पदक 9
- देवघर रोपवे हादसा जाँच के लिये कमेटी का गठन 9
- अथर्व अक्षत ने आईएसएसओ में जीता पदक 9
- चास हाट पहल' 10
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद योजना' 10
- जमशेदपुर के अंशुमन ने जीता वर्ष 2022 के सर्वश्रेष्ठ लेखक का पुरस्कार 11
- प्रदेश में बनेंगे सौ स्मार्ट विलेज 11
- पश्चिमी सिंहभूम में खुला राज्य का दूसरा एसआरएमसी केंद्र 11
- झारखंड कृषि ऋण माफी योजना 12
- झारखंड कृषि ऋण माफी योजना 12
- बिरसा हरित ग्राम योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर वर्चुअल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 13

नोट :

झारखंड

हज़ारीबाग के पुरातात्त्विक अवशेषों को मिलेगी नई पहचान

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में भारतीय पुरातत्त्व विभाग द्वारा झारखंड के हज़ारीबाग के दैहर और सोहरा में 72 वर्ष पूर्व खुदाई से प्राप्त बौद्ध अवशेष एवं मूर्तियों में लिखी विशेष लिपि के अध्ययन का निर्णय लिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- इसके लिये भारतीय पुरातत्त्व विभाग द्वारा लिपि विशेषज्ञ डॉ. अर्पिता रंजन को भेजा गया है, ताकि मूर्तियों के कालखंड का पता लगाया जा सके।
- गौरतलब है कि 1950 में यहाँ के तत्कालीन मुखिया जगरनाथ सिंह और अन्य ग्रामीणों को दैहर एवं सोहरा से अनेक मूर्तियाँ प्राप्त हुई थीं। इनके अध्ययन के लिये कई प्रयास किये गए, लेकिन वे सफल नहीं रहे।
- यह क्षेत्र बौद्ध धर्म से संबंधित पुरातात्त्विक अवशेषों से भरा पड़ा है। उदाहरण के लिये दैहर से प्राप्त प्रतिमा, जिसे ग्रामीण कमला माता के रूप में पूजते हैं, बौद्ध देवी मारीचि हैं। साथ ही सोहरा से प्राप्त प्रतिमा, जिसे ग्रामीण समोखर माता के रूप में पूजते हैं, बौद्ध धर्म की देवी तारा हैं। वहीं मानगगढ़ में झारखंड के सबसे बड़े बौद्ध स्तूप की पहचान हुई है।
- इसके धार्मिक महत्त्व को देखते हुए ही इसे बौद्ध सर्किट में शामिल किया गया है।

सिकटिया मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में देवघर एवं जामताड़ा ज़िले के चार प्रखंडों में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के निमित्त सिकटिया मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना हेतु 484.35 करोड़ रुपए के प्राक्कलन की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।

प्रमुख बिंदु

- मंत्रिपरिषद की बैठक में देवघर एवं जामताड़ा ज़िले के सारठ, करों, विद्यासागर एवं जामताड़ा प्रखंड के आंशिक भूभाग में भूमिगत पाइपलाइन के माध्यम से सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिये प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है।
- गौरतलब है कि सिकटिया मेगा लिफ्ट सिंचाई योजना के अंतर्गत सिकटिया ग्राम के समीप अवस्थित अजय बराज Upstream से पंप मोटर से पाइपलाइन के माध्यम से सिंचित क्षेत्र में चक्रवार सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।
- तीन वर्षों में इस योजना को पूर्ण किया जाएगा, जिसके फलस्वरूप संदर्भित प्रखंडों के 24 पंचायतों के 13,164 हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफ सिंचाई की सुविधा मिलेगी।
- इसके साथ ही किसी कालखंड में अधिक वर्षापात के फलस्वरूप खेतों में जल की आवश्यकता सीमित होने की स्थिति में जल को पथांतरित (डाइवर्ट) कर निकटवर्ती जलाशयों को भरा जा सकेगा, जिससे मवेशियों एवं अन्य कार्यों के लिये ग्रामीणों को तालाबों के माध्यम से जल की आपूर्ति की जा सके।

नोट :

विद्यापति स्मृति पर्व

चर्चा में क्यों ?

3 अप्रैल, 2022 को बोकारो स्टील सिटी में मिथिला सांस्कृतिक परिषद का मुख्य वार्षिक उत्सव 'विद्यापति स्मृति पर्व' धूमधाम से संपन्न हुआ।

प्रमुख बिंदु

- 2 अप्रैल को बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के प्रभारी निदेशक अमरेंदु प्रकाश द्वारा दीप प्रज्वलित करने के साथ ही महाकवि विद्यापति के चित्र पर माल्यार्पण कर दो दिवसीय मेगा इवेंट का उद्घाटन किया गया।
- कार्यक्रम के दूसरे दिन एक लघु सांस्कृतिक कार्यक्रम के बाद मैथिली नाटक 'लोंगिया मिर्ची' का मंचन किया गया।
- विद्यापति (1352-1448 ई.) मैथिली और संस्कृत कवि, संगीतकार और लेखक थे। इन्हें 'मैथिल कवि कोकिल' के नाम से भी जाना जाता है।
- इन्होंने मिथिला के लोगों को 'देसिल बयना सब जन मिट्ठा' का मंत्र देकर लोकभाषा की जनचेतना को जीवित करने का महान प्रयास किया है।

सरहुल पर्व

चर्चा में क्यों ?

4 अप्रैल, 2022 को आदिवासी समाज का सबसे बड़ा प्रकृति पर्व 'सरहुल' पूरे झारखंड में धूमधाम से मनाया गया।

प्रमुख बिंदु

- राज्य की राजधानी के विभिन्न सरना स्थानों से आकर्षक शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें हटमा स्थित सरना स्थल से निकाली गई शोभायात्रा प्रमुख थी।
- इस शोभायात्रा में आदिवासी समाज की महिलाएँ व पुरुष मांदर की थाप पर पूरे ताल में नृत्य कर रहे थे।
- गौरतलब है कि सरहुल मध्य-पूर्व भारत और मध्य भारत के आदिवासी क्षेत्रों (मुख्यत: झारखंड, ओडिशा, बंगाल) में मनाया जाता है।
- चैत्र शुक्ल पक्ष की तृतीया को आयोजित किया जाने वाला यह त्योहार धरती एवं सूर्य के विवाहोत्सव के रूप में मनाया जाता है।
- यह पर्व नए साल की शुरुआत का प्रतीक है। इस पर्व पर पेड़ और प्रकृति के अन्य तत्त्वों की पूजा होती है, इस समय साल (शोरिया रोबस्टा) वृक्षों की शाखाओं पर नए फूल खिलते हैं। इस दिन झारखंड में राजकीय अवकाश रहता है।

साहित्यकार अच्युतानंद को देवीशंकर अवस्थी सम्मान

चर्चा में क्यों ?

5 अप्रैल, 2022 को झारखंड के साहित्यकार अच्युतानंद मिश्र को वर्ष 2021 के लिये प्रतिष्ठित देवीशंकर अवस्थी सम्मान प्रदान किया गया।

प्रमुख बिंदु

- अच्युतानंद मिश्र को यह सम्मान उनकी आलोचना पुस्तक 'कोलाहल में कविता की आवाज़' के लिये दिया गया है।
- सम्मान के रूप में मिश्र को प्रशस्ति-पत्र, स्मृति चिह्न एवं 11 हज़ार रुपए का चेक प्रदान किया गया।
- गौरतलब है कि यह सम्मान हिन्दी आलोचना के विकास में उल्लेखनीय योगदान के लिये युवा आलोचक को दिया जाता है।
- इसकी स्थापना हिन्दी के प्रसिद्ध आलोचक देवीशंकर अवस्थी की स्मृति में उनकी पत्नी कमलेश अवस्थी सहित उनके परिवार द्वारा वर्ष 1995 में की गई थी।

नोट :

युवाओं के कौशल विकास हेतु राज्य सरकार और टीएसएफ के बीच समझौता ज्ञापन

चर्चा में क्यों ?

6 अप्रैल, 2022 को राज्य सरकार ने राज्य के अधिकाधिक युवाओं के कौशल विकास और उन्हें उद्योग के लिये तैयार करने के उद्देश्य से सरायकेला-खरसावां ज़िले के चांडिल में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) की स्थापना हेतु टाटा स्टील फाउंडेशन (टीएसएफ) के साथ राँची में एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

प्रमुख बिंदु

- इस एमओयू पर सौरव रॉय (चीफ, कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी, टाटा स्टील) और सत्यानंद भोक्ता (मंत्री, श्रम, रोज़गार, प्रशिक्षण और कौशल विकास विभाग) द्वारा हस्ताक्षर किये गए।
- चांडिल में स्थापित किया जाने वाला आईटीआई तकनीकी और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में 100 छात्रों की प्रारंभिक क्षमता के साथ प्रशिक्षण प्रदान करेगा और 2023 शैक्षणिक सत्र से शुरू होगा।
- इसका उद्देश्य इसे एक ऐसा मंच बनाना है, जहाँ स्थानीय युवा रोज़गार के अवसरों का लाभ उठा सकें और अपने परिवार की आय में महत्त्वपूर्ण योगदान देने के सपने को पूरा कर सकें।
- टीएसएफ का ध्यान बहिष्कृत समुदायों तक पहुँचने पर होगा, विशेषरूप से जनजातीय क्षेत्रों में, जहाँ युवाओं को विशेष कौशल, सही ज्ञान और उन्हें लागू करने की जानकारी प्राप्त होती है।
- गौरतलब है कि यह टाटा स्टील फाउंडेशन का झारखंड में तीसरा आईटीआई संस्थान है। अन्य दो संस्थान- आईटीआई तामार और आईटीआई जगन्नाथपुर हैं।

सिमडेगा को जल्द मिलेगा अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में झारखंड सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने बताया कि स्टेडियम का 80 प्रतिशत कार्य पूर्ण होने से जल्द ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर के हॉकी स्टेडियम में खेलों का आयोजन किया जा सकेगा।

प्रमुख बिंदु

- स्टेडियम का निर्माण अंतर्राष्ट्रीय मानकों को ध्यान में रखकर किया जा रहा है, जिसकी आधारशिला मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने 20 अक्टूबर, 2021 को हॉकी की नर्सरी कहे जाने वाले सिमडेगा में रखी थी।
- स्टेडियम परिसर में 50 शबया वाले महिला और पुरुष खिलाड़ियों के लिये हॉस्टल का निर्माण हो रहा है। स्टेडियम में तीन हज़ार दर्शकों के आधुनिक सुविधा के साथ बैठने की व्यवस्था होगी।
- इसके पवेलियन भवन में खिलाड़ियों के लिये चेंजिंग रूम, जिम, चिकित्सक और कोच के लिये रूम, स्टेडियम के पास विशाल पोडियम का भी निर्माण किया जा रहा है।
- उल्लेखनीय है कि इसी तर्ज़ पर खूँटी में भी निर्मित किये जा रहे हॉकी स्टेडियम और स्पोर्ट्स हॉस्टल का निर्माण कार्य लगभग 70 प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

सिरोम टोली सरना स्थल सौंदर्यीकरण योजना

चर्चा में क्यों ?

7 अप्रैल, 2022 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सिरोम टोली सरना स्थल सौंदर्यीकरण योजना की आधारशिला रखी।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- राजधानी राँची के सिरोम टोली सरना स्थल के सौंदर्यीकरण योजना का शिलान्यास राज्य सरकार द्वारा आदिवासी समाज की परंपरा और कला-संस्कृति को जीवंत, अक्षुण्ण और संरक्षित करने के प्रयासों की श्रृंखला का हिस्सा है।
- इस योजना के तहत लगभग 5 करोड़ रुपए की लागत से सरना स्थल परिसर में विभिन्न सुविधाएँ उपलब्ध करवाई जाएँगी।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा राज्य के सभी सरना और मसना स्थल को संरक्षित करने का प्रयास किया जाएगा, ताकि आने वाली पीढ़ी भी इसके ऐतिहासिक महत्त्व से भलीभाँति वाकिफ रहे।
- गौरतलब है कि सरना स्थल झारखंड, बिहार, असम और छत्तीसगढ़ राज्यों में छोटानागपुर पठार क्षेत्र की धार्मिक परंपराओं में पवित्र उपवन हैं। इन अनुष्ठानों के अनुयायी मुख्य रूप से बैगा, कुरुख, मुंडा और संथाल हैं।

तपन पटनायक

चर्चा में क्यों ?

9 अप्रैल, 2022 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने तपन पटनायक को छऊ नृत्य कला के क्षेत्र में बेहतर योगदान के लिये संगीत नाटक अकादमी अवार्ड प्रदान किया।

प्रमुख बिंदु

- झारखंड के सरायकेला खरसावाँ ज़िले के छऊ गुरु सह-राजकीय छऊ कला केंद्र, सरायकेला के निदेशक तपन पटनायक राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी छऊ नृत्य पेश कर चुके हैं।
- तपन पटनायक ने न केवल सरायकेला बल्कि खरसावाँ एवं मानभूम शैली छऊ नृत्य के विकास में भी अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- सरायकेला छऊ महोत्सव को राजकीय महोत्सव घोषित कराने में छऊ गुरु तपन पटनायक ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है।
- उल्लेखनीय है कि संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार भारत में कला के क्षेत्र में दिया जाने वाला सबसे प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार है।

विनोबा भावे विश्वविद्यालय साइबर कोर्स लॉन्च करने वाला पूर्वी भारत का प्रथम विश्वविद्यालय

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में हज़ारीबाग स्थित विनोबा भावे विश्वविद्यालय द्वारा साइबर विद्यापीठ फाउंडेशन के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर करने के साथ ही यह साइबर कोर्स लॉन्च करने वाला पूर्वी भारत का प्रथम विश्वविद्यालय बन गया है।

प्रमुख बिंदु

- इस साइबर कोर्स की शुरुआत जुलाई 2022 से की जाएगी।
- विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर ने बताया कि विश्वविद्यालय कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डाटा साइंस पर भी कोर्स लॉन्च करने की योजना बना रहा है।
- साइबर विद्यापीठ फाउंडेशन के अनुसार, इस कोर्स के माध्यम से 10 वर्षों में 100 बिलियन डॉलर की आय अर्जित की जा सकती है।

राज्य ऊर्जा और जलवायु सूचकांक राउंड-1 में झारखंड

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में नीति आयोग के द्वारा जारी राज्य ऊर्जा और जलवायु सूचकांक राउंड-1 से संबंधित रिपोर्ट में झारखंड को एस्पिरंट्स की श्रेणी में शामिल किया गया है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- राज्य ऊर्जा और जलवायु सूचकांक में झारखंड की रैंक 18वीं, जबकि स्कोर 35.2 है।
- यह सूचकांक 2019-20 के आँकड़ों के आधार पर नीति आयोग द्वारा तैयार किया गया है।
- गौरतलब है कि यह सूचकांक 6 मानकों- डिस्कॉम का प्रदर्शन, ऊर्जा दक्षता, पर्यावरणीय स्थिरता, स्वच्छ ऊर्जा पहल, नई पहल तथा पहुँच, वहनीयता एवं विश्वसनीयता के आधार पर जलवायु और ऊर्जा क्षेत्र में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा किये गए प्रयासों को ट्रैक करता है।
- विभिन्न मानकों के संदर्भ में झारखंड का स्कोर निम्न प्रकार है-
- डिस्कॉम का प्रदर्शन- 58.3
- ऊर्जा दक्षता- 17.2
- पर्यावरणीय स्थिरता- 19
- स्वच्छ ऊर्जा पहल- 2.9
- नई पहल- 9.3
- पहुँच, वहनीयता एवं विश्वसनीयता- 46.5

त्रिकूट पर्वत

चर्चा में क्यों ?

12 अप्रैल, 2022 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने देवघर ज़िला स्थित त्रिकूट पर्वत रोप-वे हादसे को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक की।

प्रमुख बिंदु

- मुख्यमंत्री ने बैठक में त्रिकूट पर्वत रोप-वे हादसे की जाँच हेतु उच्चस्तरीय जाँच समिति गठित करने तथा गठित समिति में रोप-वे से संबंधित विशेषज्ञों को भी शामिल किये जाने का अधिकारियों को निर्देश दिया है।
- गौरतलब है कि 10 अप्रैल को त्रिकूट पर्वत रोप-वे टूटने से रोप-वे में 59 पर्यटकों के फँसने से एक गंभीर संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई तथा अभी तक 4 पर्यटकों की मृत्यु हो गई।
- उल्लेखनीय है कि त्रिकूट पर्वत का हिंदुओं के लिये अत्यधिक धार्मिक महत्त्व है, क्योंकि त्रिकूट पर्वत के एक तरफ बाबा वैद्यनाथ तो दूसरी तरफ बाबा बासुकीनाथ का मंदिर है।
- इस पर्वत के तीन शिखर हैं, जिन्हें ब्रह्मा, विष्णु और महेश के मुकुट के तौर पर जाना जाता है, इसलिये ही त्रिकूट पर्वत के नाम से इसकी प्रसिद्धि है, साथ ही यहाँ स्थित दो छोटे पर्वत शिखर गणेश और कार्तिक के नाम से जाने जाते हैं।

राँची चिड़ियाघर में कैनाइन वायरस

चर्चा में क्यों ?

13 अप्रैल, 2022 को राँची चिड़ियाघर (भगवान बिरसा जैविक उद्यान) के निदेशक जब्बार सिंह ने बताया कि पिछले एक महीने में रांची के बिरसा चिड़ियाघर में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस (सीडीवी) से सात लोमड़ियों की मृत्यु हो गई है।

प्रमुख बिंदु

- कैनाइन डिस्टेंपर वायरस मुख्य रूप से कुत्तों में श्वसन, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल, श्वसन तथा केंद्रीय तंत्रिका तंत्र के साथ-साथ आँखों में गंभीर संक्रमण का कारण बनता है।
- यह भेड़िये, लोमड़ी, रेकून, लाल पांडा, फेरेट, हाइना, बाघ और शेरों जैसे जंगली माँसाहारियों को भी प्रभावित कर सकता है।
- भारत के वन्य जीवों में इस वायरस का प्रसार तथा इसकी विविधता का पर्याप्त रूप से अध्ययन नहीं किया गया है।
- उल्लेखनीय है कि लोमड़ी वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की अनुसूची-II के तहत संरक्षित एक लुप्तप्राय प्रजाति है।

नोट :

झारखंड के तेलीपाड़ा में बनने वाले पार्क व खेल मैदान में लगेगी सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में धनबाद नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि तेलीपाड़ा में 2 करोड़ रुपए से शहीद सिद्धू-कान्हू के नाम पर पार्क और खेल मैदान का निर्माण करने के साथ ही सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा भी लगाई जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- पार्क और खेल मैदान का निर्माण उस जगह किये जाने की योजना है, जहाँ आदिवासी समुदाय के लोग सदियों से सोहराय पर्व मनाते आ रहे हैं।
- सिद्धू मुर्मू और कान्हू मुर्मू संथाल विद्रोह (1855-1856) के नेता थे। इन्होंने यह विद्रोह पूर्वी भारत (वर्तमान झारखंड और बंगाल के पुरुलिया और बांकुरा) में ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता और भ्रष्ट ज़मींदारी व्यवस्था के खिलाफ किया था।
- भारतीय डाक ने इनके सम्मान में 2002 में 4 रुपए का डाक टिकट भी जारी किया था। साथ ही इनके सम्मान में राँची में एक सिद्धू-कान्हू मेमोरियल पार्क भी निर्मित किया गया है।

अंडर-17 सब जूनियर राष्ट्रीय बालक-बालिका कुश्ती प्रतियोगिता और फेडरेशन कप सीनियर पुरुष-महिला कुश्ती

चर्चा में क्यों ?

15 अप्रैल, 2022 को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शहीद गणपत राय इंडोर स्टेडियम खेलगाँव राँची में अंडर-17 सब जूनियर राष्ट्रीय बालक-बालिका कुश्ती प्रतियोगिता और फेडरेशन कप सीनियर पुरुष-महिला कुश्ती प्रतियोगिता का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पिछले वर्ष दिसंबर में आयोजित अंडर-15 राष्ट्रीय बालक-बालिका कुश्ती प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले झारखंड के पहलवानों को अंग वस्त्र और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया।
- झारखंड राज्य कुश्ती संघ के तत्वावधान में इन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है।
- झारखंड में पहली बार फेडरेशन कप का आयोजन किया जा रहा है। राँची के होटवार स्थित मेगा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में 15 से 19 अप्रैल तक अंडर-17 सब जूनियर बालक-बालिका राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का वहीं 17 से 19 अप्रैल तक फेडरेशन सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन हो रहा है।
- राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के आयोजन में कुल 1200 से अधिक पहलवान शामिल हो रहे हैं। फेडरेशन कप सीनियर कुश्ती प्रतियोगिता में 450 पहलवान शामिल हो रहे हैं, जबकि सब जूनियर कुश्ती प्रतियोगिता में अंडर-17 आयु वर्ग के अलग-अलग आयु वर्ग कैटेगरी के 850 पहलवान शामिल हो रहे हैं।

नौवीं राष्ट्रीय रेस वॉक चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

17 अप्रैल, 2022 को झारखंड के राँची शहर में नौवीं राष्ट्रीय रेस वॉक चैंपियनशिप संपन्न हुई।

प्रमुख बिंदु

- इस चैंपियनशिप के तहत 35 और 10 किमी. की वॉक का आयोजन किया गया।
- 35 किमी. स्पर्धा में पाँच एथलीटों ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए पदक जीता। इसके पुरुष वर्ग में हरियाणा के जुनैद, यूपी के रामबाबू और उत्तराखंड के चंदन सिंह ने, जबकि महिला वर्ग में पंजाब की रमणदीप और मंजू ने पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त किया।
- पुरुष वर्ग में जुनैद ने 2.40.16 सेकंड का समय निकाला, जबकि महिला वर्ग में रमण

नोट :

डॉ. रेड्डी को औद्योगिक शांति के लिये जहाँगीर गांधी पदक

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में जमशेदपुर स्थित XLRI-जेवियर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक पॉल फर्नांडीस एस.जे. ने बताया कि अपोलो हॉस्पिटल्स एंटरप्राइज लिमिटेड की कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. प्रीथा रेड्डी को औद्योगिक और सामाजिक शांति के लिये सर जहाँगीर गांधी पदक प्रदान किया जाएगा।

प्रमुख बिंदु

- डॉ. रेड्डी को व्यापक रूप से लाखों लोगों के लिये उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा को सुलभ बनाने में उनके योगदान और भारत की बेहतरी के लिये काम करने वाली विभिन्न संस्थाओं और उद्योग निकायों को उनके समर्थन के लिये जाना जाता है।
- वे अपोलो हॉस्पिटल्स एजुकेशनल ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी हैं, जो अपोलो समूह के शैक्षिक प्रयासों को संचालित करने वाली एक प्रमुख संस्था है।
- गौरतलब है कि हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड के अध्यक्ष और एम.डी. संजीव मेहता को 2020 में और बाटा कॉर्पोरेशन के वैश्विक सीईओ संदीप कटारिया को 2021 में यह पदक प्रदान किया गया है।

देवघर रोपवे हादसा जाँच के लिये कमेटी का गठन

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में झारखंड के देवघर स्थित त्रिकुट पर्वत रोपवे हादसे की जाँच के लिये झारखंड सरकार द्वारा वित्त विभाग के प्रधान सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में कमेटी का गठन किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- कमेटी में अध्यक्ष के अलावा तीन सदस्य बनाए गए हैं, जिनमें पर्यटन विभाग के सचिव अमिताभ कौशल, नेशनल हाईवेज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन की ओर से नामित सदस्य के साथ आईआईटी-आईएसएम धनबाद द्वारा नामित प्रतिनिधि सदस्य होंगे।
- इसके अलावा समिति के अध्यक्ष की ओर से देश के किसी भी संस्थान से किसी विशेषज्ञ को सहयोग के लिये बुलाया जा सकता है।
- अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में गठित यह समिति दो महीने में अपनी जाँच रिपोर्ट देगी।
- उल्लेखनीय है कि देवघर के त्रिकूट पर्वत पर 10 अप्रैल को रोपवे दुर्घटना में 48 लोग फँस गए थे, जिन्हें लगभग 50 घंटे के ऑपरेशन के बाद बचाया गया था, हालाँकि इसमें तीन लोगों की मृत्यु भी हो गई थी।

अथर्व अक्षत ने आईएसएसओ में जीता पदक

चर्चा में क्यों ?

20 अप्रैल, 2022 को प्रकाशित हुए अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक अध्ययन ओलंपियाड, 2021-22 के परिणाम में डीपीएस (चास) बोकारो के आठवीं कक्षा के छात्र अथर्व अक्षत ने पदक हासिल किया।

प्रमुख बिंदु

- अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक अध्ययन ओलंपियाड, 2021-22 परीक्षा नई दिल्ली स्थित साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा ऑनलाइन मोड में आयोजित की गई थी।
- गौरतलब है कि साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन हर साल एक ओलंपियाड आयोजित करता है, जिसमें देश भर के सैकड़ों स्कूलों के छात्र भाग लेते हैं।
- फाउंडेशन की सभी गतिविधियों का उद्देश्य हमेशा सीखने को एक दिलचस्प और संवादात्मक प्रक्रिया बनाना है, जिसमें शिक्षार्थी वास्तव में अपने कौशल, स्मृति, प्रतिभा और ज्ञान का परीक्षण करने में सक्षम हो।

नोट :

- इसके अतिरिक्त फाउंडेशन निम्नलिखित ओलंपियाड आयोजित करता है-
- नेशनल साइबर ओलंपियाड
- राष्ट्रीय विज्ञान ओलंपियाड
- अंतर्राष्ट्रीय गणित ओलंपियाड
- अंतर्राष्ट्रीय सामान्य ज्ञान ओलंपियाड
- अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य ओलंपियाड

चास हाट पहल'

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में पाकुड़ के उपायुक्त वरुण रंजन ने बताया कि हॉर्टिकल्चर हब के रूप में स्थापित करने के लिये पाकुड़ ज़िला प्रशासन की अनूठी पहल 'चास हाट पहल' से महिला किसानों की ज़िंदगी में अभूतपूर्व परिवर्तन हो रहा है।

प्रमुख बिंदु

- पाकुड़ ज़िला प्रशासन एवं झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी के संयुक्त प्रयास के रूप में वर्ष 2021 में चास हाट पहल की शुरुआत की गई थी।
- इस महत्त्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य सभी संबंधित विभागों के समेकित प्रयास एवं अभिसरण से ज़िले में सब्ज़ी की फसलों के उत्पादन एवं विपणन को बढ़ाना है। साथ ही इस परियोजना के अंतर्गत लक्षित किसान परिवारों की वार्षिक आय 1 लाख रुपए तक सुनिश्चित करना और महिला उद्यमिता को बढ़ावा देना भी शामिल है।
- चास हाट पहल के ज़रिये ज़िले के विभिन्न विभागों की खेती की योजनाओं का लाभ समेकित रूप से सखी मंडल की बहनों को चास हाट के ज़रिये दिया जा रहा है, जैसे-
- सिंचाई की समस्या दूर करने के लिये भूमि संरक्षण एवं अन्य विभाग द्वारा डीप बोरिंग एवं पंप सेट उपलब्ध कराने के साथ ही टपक सिंचाई योजना का क्रियान्वयन।
- मनरेगा द्वारा दीदी बाड़ी योजना के अंतर्गत 5 डेसीमल की योजना एवं सिंचाई सुविधा हेतु कूपों की व्यवस्था।
- झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी, केवीके एवं आत्मा के ज़रिये विभिन्न प्रकार का प्रशिक्षण, क्षमतावर्द्धन एवं बीज की व्यवस्था आदि।

'एक स्टेशन एक उत्पाद योजना'

चर्चा में क्यों ?

23 अप्रैल, 2022 को स्थानीय कला और उत्पादों को बढ़ावा देने के लिये कृषि परामर्श और ग्रामीण विकास संस्थान ने दक्षिण-पूर्व रेलवे (एसईआर) के राँची रेलवे डिवीजन के तहत राँची स्टेशन पर 'एक स्टेशन एक उत्पाद योजना' का दूसरा अस्थायी स्टॉल शुरू किया।

प्रमुख बिंदु

- योजना के तहत राँची रेलवे स्टेशन पर संचालित यह स्टॉल 24 अप्रैल से 8 मई तक हाथ से बुने हुए बैग, बाँस उत्पादों और बुनी हुई कलाकृतियों की प्रदर्शनी सह बिक्री करेगा।
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद योजना' के तहत, 15 राँची रेलवे मंडल के उन स्टेशनों का चयन किया जाना है, जहाँ स्थानीय कलाओं और कारीगरों को बढ़ावा देने के लिये स्टॉल खुले हैं।
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद योजना' के तहत राँची रेलवे स्टेशन पर यह दूसरा अस्थायी स्टॉल है। इससे पूर्व झारखंड सिल्क टेक्सटाइल एंड हैंडीक्राफ्ट डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (झारक्राफ्ट) का 15 दिवसीय अस्थाई स्टाल लगाया गया है।

नोट :

- स्टॉल के माध्यम से रेलवे स्टेशन पर यात्री वहाँ के विशेष उत्पाद के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और उसे आसानी से खरीद सकेंगे। इससे स्थानीय रोज़गार बढ़ेगा और उत्पाद का प्रचार भी होगा।
- उल्लेखनीय है कि अलग-अलग जगहों के स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने में रेल की महत्त्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए केंद्रीय बजट 2022-23 में 'एक स्टेशन एक उत्पाद' योजना की घोषणा की गई थी।
- 25 मार्च, 2022 को भारतीय रेल के 19 स्टेशनों पर इस योजना की शुरुआत की गई थी। इसके बाद इसे 69 अन्य स्टेशनों तक बढ़ाया गया। इसकी सफलता के बाद देश भर में 1000 रेलवे स्टेशनों पर चरणबद्ध तरीके से इस योजना को लागू किया जा रहा है।

जमशेदपुर के अंशुमन ने जीता वर्ष 2022 के सर्वश्रेष्ठ लेखक का पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

24 अप्रैल, 2022 को जमशेदपुर के लेखक अंशुमन भगत को मुंबई की संस्था 'मन ओ मौसुमी' ने वर्ष 2022 के लिये सर्वश्रेष्ठ लेखक के पुरस्कार से नवाज़ा है। उन्हें यह पुरस्कार उनकी किताब 'एक सफर में' के लिये दिया गया है।

प्रमुख बिंदु

- अंशुमन को उनकी पुस्तक और लेखन शैली में सर्वश्रेष्ठ योगदान के लिये सर्वश्रेष्ठ लेखक के रूप में चुना गया है। उनकी किताब 'एक सफर में' बॉलीवुड टीवी इंडस्ट्री के पर्दे के पीछे की कहानियों और कलाकारों के संघर्ष से जुड़ी कहानियों पर आधारित है।
- अंशुमन भगत की किताब 'एक सफर में' को छत्तीसगढ़ के ऑथर्स ट्री पब्लिशिंग हाउस ने 18 दिसंबर, 2021 को प्रकाशित किया था।
- मुंबई की संस्था 'मन ओ मौसुमी' प्रतिभाशाली लेखकों को उनकी रचनात्मकता, अनुसंधान और संगठन की निपुणता का पता लगाने तथा अपने विचारों को लिखने के कौशल को विकसित करने के लिये प्रेरित करती है।
- लेखन प्रतियोगिता के रूप में 'मन ओ मौसुमी' दुनिया भर के लेखकों के लिये अवसर पैदा करती रहती है, जिसमें एशिया के लगभग सभी देशों से लेखक भाग लेते हैं।

प्रदेश में बनेंगे सौ स्मार्ट विलेज

चर्चा में क्यों ?

25 अप्रैल, 2022 को झारखंड के कृषि मंत्री बादल पत्रलेख ने प्रेसवार्ता में बताया कि प्रदेश में सौ स्मार्ट विलेज बनाए जाएंगे, जिसकी अनुशंसा विधायक और सांसद के द्वारा की जाएगी।

प्रमुख बिंदु

- ये सभी स्मार्ट विलेज वन अंब्रेला नीति के तहत विकसित किये जाएंगे, जहाँ कृषि से संबंधित सभी योजनाओं को लागू किया जाएगा, साथ ही विभिन्न स्तर पर सहकारी समिति का गठन कर विकास की रूपरेखा तैयार की जाएगी।
- कृषि मंत्री ने कहा कि स्मार्ट विलेज की रूपरेखा तैयार की जा रही है। जल्द ही कृषि विभाग सभी विधायक और सांसदों को ग्राम चयन के लिये पत्र लिखेगा।
- उन्होंने बताया कि दुग्ध के लिये सहकारिता समिति का गठन किया जाएगा तथा कोऑपरेटिव को कुल लागत में से 50 फीसदी अनुदान के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी। पलामू, साहिबगंज और देवघर के सारठ में लगभग तैयार हो चुके डेयरी प्लांट को जल्द चालू किया जाएगा।

पश्चिमी सिंहभूम में खुला राज्य का दूसरा एसआरएमसी केंद्र

चर्चा में क्यों ?

26 अप्रैल, 2022 को पश्चिमी सिंहभूम ज़िले के श्रम अधीक्षक ने प्रवासी श्रमिकों के सुरक्षित और ज़िम्मेदार प्रवासन के लिये ज़िले में राज्य के दूसरे सेफ एंड रिस्पॉन्सिबल माइग्रेशन केंद्र (एसआरएमसी) की शुरुआत की।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि गुमला में 20 अप्रैल, 2022 को राज्य के पहले एसआरएमसी केंद्र का शुभारंभ हुआ था। गुमला और पश्चिमी सिंहभूम ज़िलों के अलावा जल्द ही दुमका में भी एसआरएमआई (सेफ एंड रिस्पॉन्सिबल माइग्रेशन इनिशिएटिव) केंद्र की स्थापना की जाएगी।
- पश्चिमी सिंहभूम ज़िले का यह केंद्र ज़िला श्रम एवं रोज़गार कार्यालय के तत्वावधान में ज़िलास्तरीय सहायता प्रकोष्ठ के रूप में ज़िले के श्रम अधीक्षक एवं रोज़गार अधिकारी के पर्यवेक्षण में कार्य करेगा।
- इसके ज़रिये पश्चिमी सिंहभूम में अंतर्राज्यीय प्रवासियों और उनके परिवारों की पहचान करने की दिशा में काम होगा, ताकि ऐसे श्रमिकों एवं कामगारों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।
- साथ ही, श्रमिकों और कामगारों के पंजीकरण की भी सुविधा केंद्र में दी जाएगी। इनके लिये शिविर का आयोजन भी समय-समय पर करने की योजना है।
- उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दिसंबर 2021 में सेफ एंड रिस्पॉन्सिबल माइग्रेशन इनिशिएटिव (एसआरएमआई) का शुभारंभ किया था।

झारखंड कृषि ऋण माफी योजना

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में झारखंड की कृषि निदेशक निशा उरांव ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 'झारखंड कृषि ऋण माफी योजना' के तहत प्रतिदिन 906 किसानों को लाभान्वित करते हुए 3.34 करोड़ रुपए की ऋण माफी कर रही है।

प्रमुख बिंदु

- इस योजना का उद्देश्य राज्य के अल्पावधि कृषि ऋण धारक कृषकों को ऋण के बोझ से राहत देना, फसल ऋण धारक की ऋण पात्रता में सुधार लाना, नई फसल के लिये ऋण प्राप्ति सुनिश्चित करना, कृषक समुदाय के पलायन को रोकना और कृषि अर्थव्यवस्था को मज़बूती प्रदान करना है।
- योजना के तहत 31 मार्च, 2022 तक 3,83,102 किसानों के 1529.01 करोड़ रुपए के ऋण माफ किये गए हैं, जिनमें से वित्तीय वर्ष 2020-21 में 1,22,238 लोगों को कुल 494.96 करोड़ रुपए वितरित किये गए थे। वहीं वित्तीय वर्ष 2021-22 में 2,60,864 किसानों को 1034.05 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है।
- ऋण माफी योजना के लाभार्थी के लिये आवश्यक पात्रताएँ निम्नलिखित हैं-
- जो रैयत किसान अपनी भूमि पर स्वयं कृषि करते हैं।
- गैर-रैयत किसान, जो अन्य रैयतों की भूमि पर कृषि कार्य करते हैं।
- आवेदक को अल्पविधि फसल ऋणधारक होना चाहिये तथा फसल ऋण झारखंड में स्थित अर्हताधारी बैंक से निर्गत होना चाहिये।
- झारखंड राज्य का निवासी किसान, जिसकी आयु 18 वर्ष से अधिक हो एवं किसान के पास वैध आधार नंबर, किसान क्रेडिट कार्डधारक तथा मान्य राशन कार्डधारक होना चाहिये।
- एक परिवार से एक ही फसल ऋण धारक सदस्य पात्र होंगे। आवेदक के पास मानक फसल ऋण खाता होना चाहिये।

झारखंड कृषि ऋण माफी योजना

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में झारखंड की कृषि निदेशक निशा उरांव ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा 'झारखंड कृषि ऋण माफी योजना' के तहत प्रतिदिन 906 किसानों को लाभान्वित करते हुए 3.34 करोड़ रुपए की ऋण माफी कर रही है।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इस योजना का उद्देश्य राज्य के अल्पावधि कृषि ऋण धारक कृषकों को ऋण के बोझ से राहत देना, फसल ऋण धारक की ऋण पात्रता में सुधार लाना, नई फसल के लिये ऋण प्राप्ति सुनिश्चित करना, कृषक समुदाय के पलायन को रोकना और कृषि अर्थव्यवस्था को मज़बूती प्रदान करना है।
- योजना के तहत 31 मार्च, 2022 तक 3,83,102 किसानों के 1529.01 करोड़ रुपए के ऋण माफ किये गए हैं, जिनमें से वित्तीय वर्ष 2020-21 में 1,22,238 लोगों को कुल 494.96 करोड़ रुपए वितरित किये गए थे। वहीं वित्तीय वर्ष 2021-22 में 2,60,864 किसानों को 1034.05 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है।
- ऋण माफी योजना के लाभार्थी के लिये आवश्यक पात्रताएँ निम्नलिखित हैं-
- जो रैयत किसान अपनी भूमि पर स्वयं कृषि करते हैं।
- गैर-रैयत किसान, जो अन्य रैयतों की भूमि पर कृषि कार्य करते हैं।
- आवेदक को अल्पविधि फसल ऋणधारक होना चाहिये तथा फसल ऋण झारखंड में स्थित अर्हताधारी बैंक से निर्गत होना चाहिये।
- झारखंड राज्य का निवासी किसान, जिसकी आयु 18 वर्ष से अधिक हो एवं किसान के पास वैध आधार नंबर, किसान क्रेडिट कार्डधारक तथा मान्य राशन कार्डधारक होना चाहिये।
- एक परिवार से एक ही फसल ऋण धारक सदस्य पात्र होंगे। आवेदक के पास मानक फसल ऋण खाता होना चाहिये।

बिरसा हरित ग्राम योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर वर्चुअल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

चर्चा में क्यों ?

29 अप्रैल, 2022 को मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी ने बिरसा हरित ग्राम योजना के वित्तीय वर्ष 2022-23 में सफल क्रियान्वयन को लेकर आयोजित वर्चुअल प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षुओं और अधिकारियों को योजना के लक्ष्य के अनुरूप कार्य करते हुए सीपीटी (पशुरोधक खाई) का शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने का निर्देश दिया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर राजेश्वरी बी ने उपस्थित अधिकारियों को मिश्रित बागवानी के द्वारा आमजनों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 में मिश्रित बागवानी के तहत किसानों को आम, नीबू, अमरूद एवं इमारती पौधा लगवाने के लिये प्रेरित करने के लिये निर्देश दिया।
- उल्लेखनीय है कि 4 मई, 2020 को झारखंड सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमिकों के लिये रोज़गार उत्पन्न करने के उद्देश्य से तीन श्रम गहन कार्यक्रमों- 'बिरसा हरित ग्राम योजना', 'नीलांबर-पीतांबर जल समृद्धि योजना' और 'वीर शहीद पोतो हो खेल विकास योजना' की शुरुआत की थी।
- बिरसा हरित ग्राम योजना का उद्देश्य वनीकरण हेतु दो लाख एकड़ से अधिक अप्रयुक्त सरकारी परती भूमि का उपयोग करना है।
- इसके तहत लगभग पाँच लाख परिवारों को 100 फल देने वाले पौधे दिये जाएँगे और इनके वृक्षारोपण, रखरखाव, भूमि कार्य एवं वनीकरण कार्य की ज़िम्मेदारी उन ग्रामीण परिवारों के पास होगी, जबकि भूमि का स्वामित्व सरकार के पास रहेगा।
- इस योजना के तहत अगले कुछ महीनों में पाँच करोड़ से अधिक फल देने वाले पौधे लगाए जाने की उम्मीद जताई गई है।
- इस योजना से प्रत्येक परिवार को तीन वर्ष के बाद इन पौधों से लगभग 50,000 रुपए की वार्षिक आय प्राप्त होने का अनुमान लगाया गया है।

नोट :